


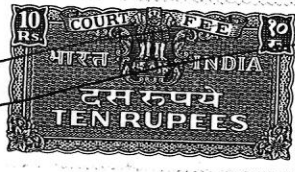
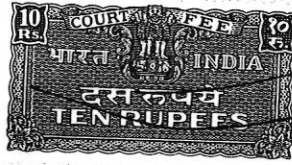
XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक आर.993-दो/05

जिला-जबलपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
28-7-15 कैम्प जबलपुर	<p>आवेदक की ओर से दिनांक 22-5-05 के बाद से बार-बार सूचना पत्र भेजने के बाद भी कोई उप. नहीं हो रहा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक को अपना प्रकरण चलाने में कोई रुचि नहीं है।</p> <p>अतः आवेदक अभि. की रुचि के अभाव में यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है। दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p> सदस्य</p>



समक्ष माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वािल्यर - छण्ड पीठ, जबलपुर

निगरानी प्रकरण क्र. -

/अ-6/04-05

R. 993 II 105

आवेदकणः

1. छोटी बाई गौड बेवा शम्भूसिंह गौड

2. उपेन्द्रसिंह वल्द शम्भूसिंह गौड

3. वीरेन्द्रसिंह वल्द शम्भूसिंह गौड

4. राजेन्द्र सिंह वल्द शम्भूसिंह गौड

5. सुनहरा बाली बेवा विश्वम्भरसिंह गौड

6. विश्वम्भरसिंह वल्द विश्वमानसिंह गौड

सभी निवासी- ग्राम चुरहटी पिपीर्या

प०ह०नं०105, तहसील दीमरखेड़ा, जिला-कटनी

तत्कालीन तहसील सिहोरा, जिला-जबलपुर

श्री पी.जी.द्वी  
अभिभावक द्वारा  
आज दिनांक 30-6-05  
को जबलपुर बैरक पर  
उत्प्रेषित किया  
Gimpy  
30-6-05

विवेक

अनावेदक :

केहरसिंह वल्द अमानसिंह गौड

निवासी- ग्राम चुरहटी पिपीर्या,

तहसील छोटा दीमरखेड़ा जिला-कटनी

आवेदन पत्र भू संहिता की धारा 50 के अंतर्गत - निगरानी हेतु ।

प्रस्तुत निगरानी आवेदन पत्र अधीनस्थ न्यायालय अति कमीशनर जबलपुर द्वारा अपेन सुनीवलोकन प्रकरण क्र. 432/अ-6/03-04 में संहिता की धारा 47 "अपीली की काल सीमा" सहपीठत धारा 53 "परसीमा अधिनियम का लागू होना" और धारा 48 "याचका के साथ आदेश की प्रमाणित प्रतीतिपीपीर्या होना" से संबंधित पारित आदेश दिनांक 19-7-04 के विरुद्ध है ।

आवेदिका को अधीनस्थ न्यायालयके आदेश की जानकारी होने पर तत्काल दिनांक 2-5-05 को प्रमाणित प्रतीतिपीपीर्या हेतु आवेदन पत्र देने पर दिनांक 25-5-05 को प्राप्त हुई है, विलंब क्षमा का आवेदन पुथेक से संबंध है :-

प्रकरण कृत्य

॥ यह कि उभय पक्षों के मध्य विवाद की विषय वस्तु ग्राम चुरहटी पिपीर्या